BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (28.04.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:28.04.2025, PAGE-06

बीते तीन लोकसभा चुनाव में युवाओं की सोच का होगा आकलन

बिहार विवि में युवा वोटरों की सोच पर होगा शोध

विशेष

- बीआरएबीयू की तरफ से एक साल में जारी की जाएगी सर्वे की रिपोर्ट
- मुजफ्फरपुर संसदीय क्षेत्र में 1000 युवाओं पर किया जाएगा सर्वे

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू के राजनीति विज्ञान विभाग में युवा मतदाताओं की सोच पर अध्ययन होगा। इसमें देखा जाएगा कि वोटिंग से पहले युवा मतदाताओं के मन में क्या विचार चलते हैं और वह क्या सोचकर मतदान करते हैं। राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक व बीएन मंडल मधेपुरा विवि के रजिस्ट्रार प्रो विपिन कुमार राय के दिशा निर्देश में यह अध्ययन किया जाएगा।

प्रो. विपिन ने बताया कि चुनाव को लेकर यह शोध बहुत कारगर होगा। अध्ययन करने वाले छात्र प्रशांत गौतम ने बताया कि इसमें मुजफ्फरपुर संसदीय क्षेत्र के 18 वर्ष 35 वर्ष के एक हजार युवाओं पर सर्वे किया जायेगा। अध्ययनकर्ता ने बताया कि इस आयु वर्ग के लोग मुजफ्फरपुर संसदीय क्षेत्र में 60 प्रतिशत हैं। इस अध्ययन में वर्ष 2014, वर्ष 2019 और 2024 में हुए लोस चुनाव में युवाओं की सोच का आकलन किया जाएगा। इस दौरान युवाओं से पूछा जाएगा कि मतदान के दौरान उनके मन में क्या चल रहा था? क्या युवाओं ने राष्ट्रवाद को देखते हुए वोट किया? क्या युवाओं ने बेरोजगारी मिटाने, स्टार्टअप आदि लोकर वोटिंग की। आतंकवाद की समस्या पर भी युवाओं के विचार लिए जाएंगे।

युवाओं को इलाकों में बांट जल्द शुरू होगा सर्वे: अध्ययन करने वाले छात्र प्रशांत गौतम ने बताया कि यह सर्वे जल्द ही शुरू किया जाएगा। सर्वे शुरू करने से पहले युवाओं को इलाकों में बांटा जाएगा। उसके बाद वहां जाकर अध्ययन किया जाएगा। इस सर्वे में लगभग एक साल का समय लगेगा। उसके बाद इसकी रिपोर्ट तैयार कर बीआरएबीयू को सौंपी जाएगी।

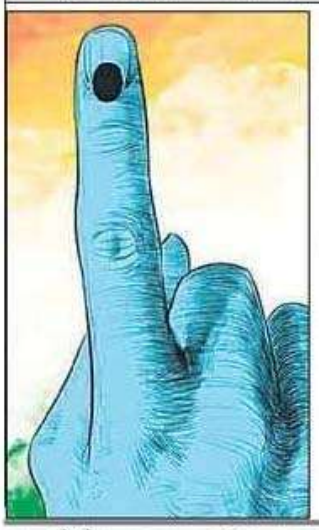

पीएम मोदी पर हुआ अध्ययन

बीआरएबीयू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी शोध हुआ है। यह शोध आरएन कॉलेज में अतिथि शिक्षक डॉ निकिता सिंह ने किया है। उनके शोध का विषय 'चीन भारत संबंधों में अमेरिकी कारक : मोदी कूटनीति का अध्ययन' है। विवि में पहली बार पीएम नरेंद्र मोदी पर अध्ययन हुआ है। पूरे देश में बीआरएबीयू दूसरा विवि है, जहां पीएम मोदी पर अध्ययन हुआ है। अब तक पीएम मोदी पर पीएचडी में शोध चौधरी चरण सिंह विवि में हुआ था। डॉ निकिता सिंह ने बताया कि इस शोध के जरिए पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत, चीन व अमेरिका के त्रिकोणीय संबंध को बताने की कोशिश की गई है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 28.04.2025, PAGE-04

बिहार विश्वविद्यालय के तीन उत्पादों की अंतिम टेस्टिंग, शीघ्र होंगे लांच

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर में बनाए जाने वाले तीन प्रोडक्ट को बाजार में लांच करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस कड़ी में फिलहाल प्रोडक्ट के सैंपल की टेस्टिंग का कार्य चल रहा है। फ्लोर क्लीनर, हर्बल माउथ वाश और हर्बल टूथ पाउडर कितने महीने में खराब हो जाएगा या इसका असर कम होने लगेगा, इसकी जांच के लिए प्रोडक्ट के सैंपल को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। अलग-अलग तापमान और परिस्थिति में इसकी टेस्टिंग की जानी है। रेफ्रिजरेटर, कम तापमान और अधिक तापमान तीनों ही अवस्था में इसकी जांच होनी है। इसी आधार पर इसका टिकाऊपन निर्धारित होगा। प्रोडक्ट के सैंपल की जांच के लिए इसे राज्य के बाहर के बायोटेक्नोलाजी लैब में भेजा गया है।

- विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर में निर्मित फ्लोर क्लीनर, हर्बल माउथ वाश समेत अन्य प्रोडक्ट का होना है निर्माण
- जांच रिपोर्ट के आधार पर ही प्रोडक्ट के टिकाऊपन की होगी जानकारी, पीजी रसायन विभाग में संचालित है सेंटर

3 उत्पादों की एक्सपायरी डेट जानने के लिए लैब में भेजा गया सैंपल

जांच रिपोर्ट आना शेष है। कुछ सैंपल की जांच के लिए फार्मेसी लैब में भी भेजा जाना है। आने वाले समय में एमआइटी के फार्मेसी विभाग से भी सहयोग लिया जा सकता है।

तीन छात्र मिलकर कर रहे काम

विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर का पीजी केमिस्ट्री विभाग में संचालन किया जा रहा है। विभाग के तीन छात्र गौरव कुमार, अभय कुमार और कीर्ति मिलन इस पर मिलकर कार्य रहे हैं। पीजी केमिस्ट्री विभाग के शिक्षक और सेंटर के सदस्य डा. अभयनंदा श्रीवास्तव ने बताया कि बाजार में विश्वविद्यालय का प्रोडक्ट उतारा जाना है। इसके लिए तेजी से काम चल रहा है। प्रोडक्ट में कितना माइक्रोबियल ग्रोथ हो रहा है इसका पता लगाने के लिए सैंपल की टेस्टिंग कराई जा रही है। शीघ्र ही सकारात्मक रिपोर्ट मिलने का अनुमान है। कमरे के तापमान और अन्य स्थितियों में इसकी जांच कराई जा रही है।

विश्वविद्यालय का बढ़ेगा आय : उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय की ओर से तैयार होने वाले इस प्रोडक्ट को बाजार में उतारकर विश्वविद्यालय इससे अपनी आय बढ़ाएगा। आने वाले दिनों में सेंटर में और नए प्रोडक्ट बनाए जाने की योजना है। दूसरी ओर नैक मूल्यांकन में भी इसे विश्वविद्यालय अपने बिजनेस माडल के तहत प्रदर्शित कर सकेगा। मूल्यांकन में इसका भी प्वाइंट मिलेगा।